किसी का तुम्हे जब सहारा ना हो भजन लिरिक्स

किसी का तुम्हे जब सहारा ना हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा ना हो,
आ जाना तब तुम शरण में मेरी,
मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा,
तुम्हारे लिये,
किसी का तुम्हे जब सहारा न हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा न हो।bd।

kisi ka tumhe jab sahara na ho lyrics

तर्ज – कोई जब तुम्हारा।

मिले जो जमाने की ठोकर तुम्हे,
उठाकर गले से लगा लूंगा मैं,
जो रुसवा करे तेरे अपने तुझे,
तो सम्मान तुझको दिलाऊंगा मैं,
जो गर्दिश में तेरा गुजारा ना हो,
भटकना भी तुझको गवारा ना हो,
आ जाना तब तुम शरण में मेरी,
मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा,
तुम्हारे लिये,
किसी का तुम्हे जब सहारा न हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा न हो।bd।

अकेले नहीं तुम ही संसार में,
है तुम से कई मेरे दरबार में,
ना छोड़ूंगा तुझको मैं मझदार में,
मिला लूंगा अपने ही परिवार में,
अगर तू किसी का दुलारा न हो,
किसी की भी आँखों का तारा न हो,
आ जाना तब तुम शरण में मेरी,
मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा,
तुम्हारे लिये,
किसी का तुम्हे जब सहारा न हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा न हो।bd।

दुखी दीन हीनो की मुस्कानो में,
मेरा रूप तुझको नजर आएगा,
जो इंसानियत भी हो इंसान में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वो जानवर ही तो कहलायेगा,
किसी ने तुझे गर सवारा न हो,
तेरी गलतियों को सुधारा न हो,
आ जाना तब तुम शरण में मेरी,
मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा,
तुम्हारे लिये,
किसी का तुम्हे जब सहारा न हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा न हो।bd।

किसी का तुम्हे जब सहारा ना हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा ना हो,
आ जाना तब तुम शरण में मेरी,
मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा,
तुम्हारे लिये,
किसी का तुम्हे जब सहारा न हो,
जहाँ में कोई जब तुम्हारा न हो।bd।

स्वर – संजय मित्तल जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com